आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 147 | उज्जैन, शुक्रवार 19 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

छह लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में मतदान 19 अप्रैल को

बालाघाट संसदीय क्षेत्र की तीन विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जायेगा

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन-2024 के प्रथम चरण में प्रदेश के 6 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में शुक्रवार, 19 अप्रैल को मतदान होगा। लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र-11 सीधी, क्र-12 शहडोल (अजजा), क्र-13 जबलपुर, क्र-14- मंडला (अजजा), क्र-15 बालाघाट एवं क्र-16 छिन्दवाड़ा में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। केवल बालाघाट लोकसभा संसदीय क्षेत्र के तीन विधानसभा क्षेत्रों क्र-108 बैहर (अजजा), क्र-109 लांजी एवं क्र-110 परसवाड़ा में सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जायेगा। मतदान कराने के

लिये सभी मतदान दल अपने-अपने मतदान केन्द्रों की ओर रवाना हो गये हैं।

मतदान दिवस को रहेगा अवकाश

मतदाताओं की सुविधा के लिये उपरोक्त 6 संसदीय क्षेत्रों में मतदान दिवस (19 अप्रैल) को सार्वजनिक तथा सामान्य अवकाश रहेगा। राज्य शासन ने संबंधित क्षेत्रों में मतदान के दिन निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 25 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक अवकाश तथा सामान्य अवकाश घोषित किया है।

वोटर टर्न-आउट एप एवं सीईओ एमपी की वेबसाईट से नागरिक ले सकेंगे मतदान प्रतिशत की जानकारी

मतदान के दिन भारत निर्वाचन आयोग के वोटर टर्न आउट एप और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की वेबसाइट https://ceomadhyapradesh.nic.in पर मतदान प्रतिशत की जानकारी उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से नागरिक हर दो घंटे में दर्ज हुए मतदान प्रतिशत के बारे में जानकारी ले सकेंगे। वोटर-टर्न आउट एप नागरिकों को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर डाउनलोड करना होगा।

छत्तीसगढ़- सबसे बड़ी नक्सली मुठभेड़ को कैसे दिया गया अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने नक्सली विरोधी अभियान को किस तरह से सफल बनाया जिसमें 29 नक्सली मारे गए.16 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने इलाके के सबसे बड़े नक्सल विरोधी ऑपरेशन को अंजाम दिया. इस मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए. सुरक्षाबलों ने इस ऑपरेशन को बहुत बारीकी से अंजाम दिया. मंगलवार को बस्तर क्षेत्र के कांकेर जिले के गहरे जंगलों में माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ में 29 माओवादी मारे गए. मारे गए नक्सलियों में 50 लाख रुपये से अधिक का इनाम रखने वाले वरिष्ठ कैडर शामिल हैं. इस मुठभेड़ के होने के दो दिन बाद इस ऑपरेशन से जुड़ी जानकारी मीडिया में सामने आ रही है. इन जानकारियों से पता चल रहा है कि सुरक्षाबलों ने कैसे ऑपरेशन को सफलता के साथ अंजाम दिया और खुद को कम से कम जोखिम में डाला।

क्या किराने की दुकानों पर भी मिलेंगी सर्दी-जुकाम की दवाएं, सरकार ले सकती है बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्दी, जुकाम और बुखार में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं को जनरल स्टोर्स पर भी मुहैया कराए जाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अब तक इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि OTC यानी ओवर द काउंटर दवाओं की नीति पर काम कर रही समिति इस सुझाव पर विचार कर रही है। अब तक अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है, अमेरिका जैसे कई देशों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली दवाएं किराने की दुकानों पर भी उपलब्ध होती हैं। OTC नीति पर काम कर रहे कुछ एक्सपर्ट्स की तरफ से एक सुझाव भी आया है, जिसमें यहां भी ऐसी व्यवस्था शुरू करने की बात की गई है, ताकि ग्रामीण इलाकों में पहुंच बेहतर हो सके। हालांकि, अब तक कोई फैसला नहीं लिया गया है।

दरअसल, OTC उन दवाओं को माना जाता है जो बगैर डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बेची जा सकती हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में दवाओं को लेकर दिशानिर्देश एकदम स्पष्ट हैं।

4 महीने में 75 माओवादी ढेर; अमित शाह के निर्देश पर BSF-पुलिस की बॉन्डिंग काम आई, कांकेर सबसे सफल ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नक्सलियों के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सख्त कार्रवाई के निर्देश के महज चार महीने में सुरक्षाबलों ने 75 माओवादियों को ढेर कर दिया है। इसमें सबसे बड़ी सफलता मंगलवार को मिली, जब कांकेर में एक ऑपरेशन के दौरान बीएसएफ ने 29 माओवादियों को मार गिराया। माओवादियों के खिलाफ सफल ऑपरेशन बीएसएफ और लोकल पुलिस की बॉन्डिंग दिखाती है, जिसकी पटकथा इसी साल जनवरी महीने में लिखी गई जब छत्तीसगढ़ में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान अमित शाह ने बीएसएफ समेत पुलिस अधिकारियों संग बैठक में तत्काल प्रभाव से माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन को अंजाम देने का निर्देश दिया था। शाह ने तीन साल के भीतर नक्सल प्रभावित इलाकों को भयमुक्त करने का टारगेट दिया था।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के महज चार महीने बाद, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने लोकल पुलिस की मदद से कई खुफिया ऑपरेशन को अंजाम दिया है। नक्सलियों पर ऐक्शन आगे भी जारी है। जनवरी से अभी तक 75 माओवादियों को मार गिराया जा चुका है, इसमें मंगलवार को कांकेर में 29 माओवादियों का एनकाउंटर भी शामिल है।

मारे गए माओवादियों में कुख्यात शंकर राव भी शामिल था, जिस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित है। प्रारंभिक आकलन से पता चला है कि पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन 1 की पूरी कंपनी को समाप्त कर दिया गया है। यह अब तक माओवादियों के खिलाफ किसी भी ऑपरेशन में सबसे बड़ी सफलता है।

इंडो-नेपाल बॉर्डर से लड़की की तस्करी की फिराक में थे तीन मानव तस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर तमिलनाडु से दिल्ली फिर नेपाल ले जा रहे तीन मानव तस्करों को एसएसबी ने गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा ने दी।

इंस्पेक्टर ने बताया कि मानव तस्कर रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया कार्यालय 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रक्सौल इकाई ने एक नाबालिग लड़की को नेपाल ले जाने के क्रम में मैत्री पुल के समीप से रेस्क्यू किया।

गुप्त सूचना पर शुरू की थी सघन चेकिंग- इंस्पेक्टर ने बताया कि जानकारी मिली कि कोई तीन व्यक्ति एक नाबालिग भारतीय लड़की को तमिलनाडु से नेपाल ले जाने वाले हैं। तब उसे पकड़ने के लिए अधिकारी व जवानों को अलर्ट किया गया। फिर भारत से नेपाल जाने वाले रास्तों पर सघन चेकिंग शुरू की गई।

संदेह के आधार पर की पूछताछ तो- इस दौरान तीन लोगों के साथ एक नाबालिग लड़की को देख ड्यूटी पर तैनात जवानों ने संदेह के आधार पर रोक लिया। फिर तीनों समेत लड़की से अलग-अलग पूछताछ की। जिसमें पता चला कि 13 वर्षीया नाबालिग लड़की को बिहार के वैशाली जिला के क्षेत्र से बहला-फुसलाकर कर भगा कर लाया है।

गिरफ्तार तस्करों ने क्या बताया- गिरफ्तार राजीव रोशन, राकेश रोशन और दिलीप कुमार ने पूछताछ के दौरान बताया कि पहले लड़की को तमिलनाडु फिर दिल्ली ले जाया गया, जिसे नेपाल ले जाने की तैयारी थी।

भ्रष्टाचार पर विजिलेंस टीम का एक्शन, ASI को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत बुधवार को पुलिस थाना बस्ती जोधेवाल, कमिशनरेट लुधियाना में तैनात सहायक सब इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह को 4500 रुपए रिश्वत लेने के दोष अधीन रंगे हाथों काबू किया।

विजय कुमार की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत- इस संबंधी जानकारी देते हुए स्टेट विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त मुलाजिम को विजय कुमार निवासी काकोवाल रोड, लुधियाना की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

इजरायल-ईरान में बढ़ी जंग तो भारत पर होगा असर? दोनों देशों से है दोस्ती, व्यापार भी खूब

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सप्ताह की शुरुआत में इजरायल पर ईरान के हमले से मध्य पूर्व और उससे परे दुनिया के बड़े हिस्से में तनाव फैल गया है। इस तनाव का असर इन दोनों देशों से इतर कई अन्य देशों पर भी पड़ सकता है। खासतौर से उन देशों पर जिनका ईरान-इजरायल के साथ व्यापारिक संबंध है। भारत भी ऐसे ही देशों में शामिल है। भारत के ईरान और इजरायल के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यही वजह है कि भारत ने विवाद बढ़ने के बारे में ÷गंभीर चिंता÷ व्यक्त की है।

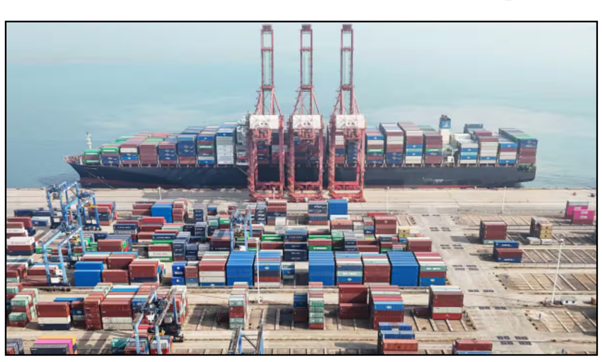

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को करीबी सहयोगी देशों की ओर से संयम बरतने की अपील को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका देश यह तय करेगा कि इस सप्ताह की शुरुआत में ईरान के बड़े हवाई हमले का जवाब कैसे दिया जाए। इजरायल ने ईरान के अभूतपूर्व हमले का जवाब देने का संकल्प लिया लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि यह जवाब कब और कैसे दिया जाएगा। पिछले साल अक्टूबर में गाजा पट्टी पर शासन कर रहे हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला कर करीब 1200 लोगों की हत्या कर दी थी और कई लोगों को बंधक बना लिया था। इसके जवाब में इजराइल ने सैन्य अभियान शुरू किया जो अब भी जारी है और इसके और विकराल रूप लेने की आशंका पैदा हो गई है। ताजा विवाद से क्षेत्र के व्यापारी भी चिंतित हो सकते हैं और बाजार भयभीत हो सकता है।

आइए समझते हैं कि भारत पर इसका क्या असर पड़ सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच साल में भारत-इजरायल व्यापार दोगुना हो गया है। भारत ने 1992 में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए। तब से, दोनों देशों के बीच व्यापार काफी बढ़ रहा है, जो 1992 में लगभग 200 मिलियन डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2022-23 में 10.7 बिलियन डॉलर हो गया है। पहले दोनों देशों के बीच व्यापार ज्यादातर हीरे से जुड़ा होता था। लेकिन अब यह बहुत विस्तारित हो चुका है।

पिछले चार वर्षों में तेज वृद्धि हुई है और व्यापार दोगुना हो गया। 2018-19 में 5.56 बिलियन डॉलर से 2022-23 में 10.7 बिलियन डॉलर हो गया।

तो होगा तीसरा विश्व युद्ध, यूक्रेन की खुली धमकी; अमेरिका से कर दी बड़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस से युद्ध को दो साल से अधिक बीत जाने के बाद यूक्रेन ने एक बार फिर से धमकी दी है। यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने कहा है कि यदि यूक्रेन रूस के साथ अपने युद्ध को हार जाता है तो फिर तीसरा विश्व युद्ध होगा। साथ ही, उन्होंने अमेरिका से मांग करते हुए लंबे समय से रुके विदेशी सहायता विधेयक को पारित करने का आग्रह किया। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्माइहल ने आशा व्यक्त किया कि अमेरिकी संसद बेहद विवादास्पद विधेयक को पारित करेंगे, जिसमें कीव के लिए 61 अरब डॉलर निर्धारित हैं। प्रतिनिधि सभा इस शनिवार को पैकेज पर मतदान करने वाली है। प्रस्ताव में इजरायल के साथ-साथ इंडो-पैसिफिक के लिए फंडिंग भी शामिल है।

बीबीसी के अनुसार, रूस का कहना है कि यूक्रेन के लिए किसी भी नई अमेरिकी सहायता से युद्ध के मैदान पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मालूम हो कि पिछले दो साल से अधिक समय से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं और यूक्रेन को हथियार, पैसों समेत तमाम तरह की मदद दी हैं। यूक्रेनी प्रधानमंत्री शिमहल ने अमेरिकी सुरक्षा सहायता के बारे में कहा, हमें इस पैसे की जरूरत कल नहीं, बल्कि आज ही है। उन्होंने आगे कहा, अगर हम रक्षा नहीं करेंगे तो यूक्रेन हार जाएगा। सुरक्षा की वैश्विक प्रणाली नष्ट हो जाएगी और पूरी दुनिया को सुरक्षा की एक नई प्रणाली खोजने की आवश्यकता होगी।

यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने आगे कहा, कई संघर्ष होंगे, ऐसे कई प्रकार के युद्ध होंगे, और दिन के अंत में यह तीसरे विश्व युद्ध का कारण बन सकता है। यह पहली बार नहीं है जब यूक्रेन ने अपनी संभावित हार के परिणामों के बारे में इतनी खतरनाक चेतावनी जारी की है। इससे पहले, बीते साल यूक्रेन के ही राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि यदि यह युद्ध रूस जीत जाता है तो फिर वह पोलैंड पर अगला आक्रमण कर सकता है, जिससे तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत हो सकती है। हालांकि, रूस ने ऐसे दावों को खारिज कर दिया था।

रूस की तरफ से दागी गई तीन मिसाइल उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहाइव में आठ मंजिला इमारत पर गिरीं जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने बताया कि हमले में दो बच्चों सहित कम से कम 61 लोग घायल हो गए। चेर्निहाइव यूक्रेन की राजधानी कीव से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर में, रूस और बेलारूस की सीमा के पास स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2,50,000 है। युद्ध के तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के साथ रूस यूक्रेन में लगातार बढ़त बना रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य साजो सामान मुहैया नहीं कराए जाने से रूस के खिलाफ युद्ध में उसकी स्थिति कमजोर पड़ती जा रही है।

क्या है ग्रीन इस्लाम? सबसे बड़े मुस्लिम देश ने खोल दिया है मोर्चा; क्या पड़ेगा दुनिया पर असर

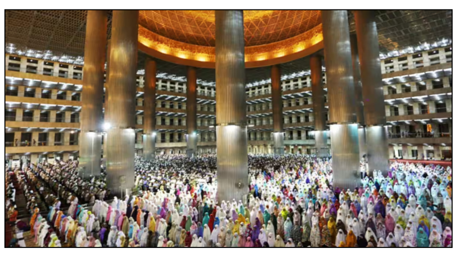

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लाम धर्म में कयामत की रात का जिक्र उस मंजर से किया जाता है, जिसके बाद कुछ भी नहीं बचता है। दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक देश इंडोनेशिया इस तरह के प्रलय को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से होने वाले विनाश से जोड़ कर देख रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया में लोगों की भीड़ एक भव्य आधुनिक इमारत में जुटी थी। हजारों पुरुष टोपी पहने हुए थे और महिलाएं बुरके में कंधे से कंधा मिलाकर बैठी थीं। इस सभा में उनके सबसे बड़े इस्लामिक नेता ने अपनी बात रखी और साथ ही साथ प्रलय को लेकर कड़ी चेतावनी दी। इस्तिकलाल मस्जिद के इमाम नसरुद्दीन उमर ने कहा, मनुष्य के रूप में हमारी सबसे बड़ी कमियां यह रही हैं कि हम पृथ्वी को महज एक वस्तु मानते हैं। हम प्रकृति के प्रति जितने लालची होंगे, प्रलय का दिन उतनी ही जल्दी आएगा।

बताते चलें कि इंडोनेशिया दुनिया का सबसे सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है। यह दुनिया को बड़े पैमाने पर कोयला और पॉम आयल निर्यात करता है। अब ग्लोबल वार्मिंग का इंडोनेशिया पर काफी इसका बड़ा असर पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बढ़ते समुद्र के स्तर से इंडोनेशिया के कई शहर जलमग्न होने के कगार पर हैं। पर्यावरण चुनौतियों का सामना कर रहे 27 करोड़ से अधिक आबादी वाले इंडोनेशिया ने धार्मिक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए ग्रीन इस्लाम का झंडा बुलंद किया है। इंडोनेशिया में ऐसे इस्लाम की मांग बढ़ रही है, जो पर्यावरण के प्रति जागरूक है।

इंडोनेशिया के बड़े धार्मिक ने जोर देकर कहा कि यदि हम धरती प्रति अपने उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहेंगे तो ग्लोबल वार्मिंग जैसी परिस्थितियों से निपट सकते हैं। उन्होंने कहा, रमजान के दौरान रोजा रखने की तरह यह हर मुसलमान का फर्ज बनता है कि वे पृथ्वी के संरक्षक बने।

भूकंप के तेज झटकों से थर्राया जापान, 9 घायल; सुनामी की कोई चेतावनी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के दक्षिणी-पश्चिमी इलाके में बुधवार की देर रात आए जोरदार भूकंप में नौ लोग घायल हो गए। बीती रात को 6.6 तीव्रता के झटकों के साथ भूकंप महसूस हुआ, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा कि भूकंप समुद्र की सतह से 50 किलोमीटर नीचे आया।

इजरायल से बढ़ रही टेंशन के बीच ईरानी राष्ट्रपति को आया पुतिन का फोन, क्यों कहा- अभी सब्र रखो

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान लगातार युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों ने इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से युद्ध टालने की अपील की है। नेतन्याहू हालांकि दोस्तों की बात सुन तो रहे हैं लेकिन, दो टूक शब्दो में बात मानने को इनकार कर रहे हैं। इजरायल के पास इस समय ईरान को सबक सिखाने का मौका है। ईरान पर हमास को हथियार सप्लाई करने के आरोप लगते रहे हैं। जो इजरायल में आतंकी हमलों का जिम्मेदार है। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी को फोन कर संयम बरतने की अपील की है। यूक्रेन युद्ध लड़ रहे रूस को ईरान ड्रोन और मिसाइलों की सप्लाई करता रहा है। पुतिन ईरान समकक्ष रायसी को अपना दोस्त बना चुके हैं।

अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के साथ फोन पर लंबी बात की। दोनों नेताओं के बीच 1 अप्रैल को सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरानी दूतावास पर इजरायली हमले के बाद ईरान द्वारा उठाए गए जवाबी कदम पर चर्चा की गई।

क्रेमलिन की ओर से जानकारी दी गई कि व्लादिमीर पुतिन ने ईरान को सलाह दी कि वो अभी संयम बरते और किसी भी तरह के टकराव से बचे। पुतिन ने आशंका जताई कि ईरान और इजरायल के बीच स्थिति और बिगड़ी तो यह मध्य पूर्व के लिए विनाशकारी परिणाम लाएगा।

प्रिंस हैरी ने आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन को कहा अलविदा, अमेरिका को बनाया अपना नया घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रिंस हैरी ने ब्रिटिश शाही परिवार से अलगाव की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने आधिकारिक तौर पर अमेरिका को अपना नया घर घोषित किया है। पेज सिक्स द्वारा प्राप्त दस्तावेज के अनुसार, ड्यूक ऑफ ससेक्स ने अमेरिका को अपने नए निवास के रूप में सूचीबद्ध किया है। यह ब्रिटेन से उनके जुड़ाव में बड़ा बदलाव है।

प्रिंस हैरी ने छोड़ा था फ्रॉगमोर कॉटेज- दस्तावेज के अनुसार, निवास में यह बदलाव 29 जून, 2023 को हुआ। इससे एक दिन पहले प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने ब्रिटेन स्थित अपने आवास फ्रॉगमोर कॉटेज को छोड़ दिया था। यह कानूनी कदम शाही परिवार में इस जोड़े की स्थिति और भविष्य की योजनाओं के बारे में चल रही चर्चा के बीच उठाया गया है।

हालांकि, पेज सिक्स के मुताबिक, हैरी की शाही उपाधियों पर ब्रिटिश निवास छोड़ने के प्रभाव को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। ऐसी अटकलें हैं कि वह लंदन की आगामी यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर स्थिति साफ कर सकते हैं। इस बदलाव के बावजूद हैरी ने ब्रिटेन के साथ अपने संबंध के बारे में विरोधाभासी भावनाएं व्यक्त की हैं।

उन्होंने ब्रिटेन को अपना घर स्वीकार किया है, लेकिन सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिका जाने की बात कही है। उन्होंने अमेरिकी नागरिकता लेने में भी रुचि दिखाई है।

कोरोना के बाद अब डराने लगी नई बीमारी, H5N1 के प्रसार को लेकर WHO भी चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी का दंश झेले हुए अभी ज्यादा समय भी नहीं बीता कि एक नई बीमारी ने दस्तक दे दी। विशेषज्ञ भी इस नई बीमारी को लेकर चेतावनी जाहिर कर चुके हैं और अब विश्व स्वास्थ्य संगठन का बयान सामने आ गया। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि मनुष्यों में बर्ड फ्लू के मामले बेहद चिंताजनक हैं। डब्ल्यूएचओ ने गुरुवार को बर्ड फ्लू के H5N1 स्ट्रेन के मनुष्यों सहित नई प्रजातियों में बढ़ते प्रसार को लेकर चिंता जाहिर की। जिनकी मृत्यु दर असाधारण रूप से ज्यादा है।

विज्ञानी फरार ने क्या कुछ कहा?

संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी के मुख्य वैज्ञानिक जेरेमी फरार ने जिनेवा में पत्रकारों को बताया कि मेरी नजर में यह (बर्ड फ्लू) अत्यंत चिंता का विषय है। वर्तमान बर्ड फ्लू का प्रकोप 2020 में शुरू हुआ था और इससे करोड़ों पक्षियों की मौत हो चुकी हैं। साथ ही जंगली पक्षी और समुद्री स्तनधारी भी इससे अछूते नहीं रहे। पिछले माह गाय और बकरियों भी इस सूची में शामिल हुई।

जेरेमी फरार ने H5N1 स्ट्रेन पर चिंता जताते हुए कहा कि यह एक वैश्विक जूनोटिक पशु महामारी बन गई है।

खुलकर नहीं बोल रहा, पर इजरायल से खफा है अमेरिका; ईरान पर हमला करके गलती कर दी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल की ओर से 1 अप्रैल को सीरिया में ईरानी कॉन्सुलेट पर हमला किया गया था। इसमें ईरान के एक टॉप जनरल समेत 12 लोग मारे गए थे। इसी का बदला लेते हुए पिछले दिनों ईरान ने इजरायल पर करीब 300 मिसाइल और ड्रोन दागे थे। ईरान की ओर से यह बड़ी कार्रवाई हुई तो अब इजरायल भी जवाब देने का प्लान बना रहा है। लेकिन इस बीच उसके लिए मुश्किल यह है कि हर वक्त के साथी अमेरिका ने उसका साथ देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि यदि इजरायल ने सक्रिय युद्ध छेड़ा तो वह उसका साथ नहीं देगा। इसकी वजह यह है कि अमेरिकी नेतृत्व इजरायल से नाराज है। अमेरिका का कहना है कि ईरान पर 1 अप्रैल का हमला गलती थी।

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इजरायल जब ईरानी कौन्सुलेट पर हमला करने ही वाला था तो उससे कुछ मिनट पहले ही उसने अमेरिका को जानकारी दी। उसने अमेरिकी नेतृत्व से बताया कि हम ईरान पर चंद मिनटों में बड़ा हमला करने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस खबर से अमेरिकी नेतृत्व में हड़कंप मच गया था। अमेरिकी अफसरों ने तुरंत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन को अलर्ट किया। फिर यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सहयोगी अधिकारियों तक पहुंची। यही नहीं जो बाइडेन ने भी माना कि यह इजरायल की गलती है।

अखबार का कहना है कि भले ही अमेरिका खुलकर कुछ नहीं कह रहा है, लेकिन उसके अधिकारी निजी बातचीत में इजरायल के प्रति गुस्सा जता रहे हैं। अमेरिकी नेतृत्व इस बात पर नाराज है कि आखिर इतना बड़ा ऐक्शन इजरायल ने उनकी सलाह के बिना कैसे ले लिया। यही नहीं अमेरिका का यह भी मानना है कि इजरायल ने गलती की है और उसे यह अंदाजा तक नहीं था कि ईरान इतना जोरदार जवाब देगा।

हर चीज पर शक नहीं करना चाहिए, ईवीएम-वीवीपैट पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के जरिए डाले गए मतों का वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल के साथ पूर्ण मिलान की मांग वाली विभिन्न याचिकाओं पर अपना फैसला बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग का जवाब सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें हर चीज के बारे में संदेह करने की जरूरत नहीं है।

गौरतलब है कि याचिकाकर्ताओं ने वीवीपैट मशीनों पर पारदर्शी कांच को अपारदर्शी कांच से बदलने के आयोग के 2017 के फैसले को उलटने की भी मांग की है, जिसके जरिए कोई मतदाता केवल सात सेकंड के लिए रोशनी चालू होने पर ही पर्ची देख सकता है। आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने बताया कि ईवीएम किस प्रकार काम करती है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील प्रशांत भूषण और वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन पेश हुए। उच्चतम न्यायालय ने 16 अप्रैल को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की आलोचना और मतपत्रों के जरिए चुनाव की लौटने की मांग की निंदा करते हुए कहा था कि भारत में चुनावी प्रक्रिया एक बहुत बड़ा काम है और व्यवस्था को खराब करने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

पीठ ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट की वर्तमान व्यवस्था में उम्मीदवारों के प्रतिनिधि के शामिल होने, छेड़छाड़ रोकने सहित तमाम चुनावी प्रक्रियाओं और कार्यप्रणालियों से संबंधित तमाम आशंकाओं को दूर करने को कहा। याचिकाएं एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और अन्य की ओर से दायर की गई थीं। उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पीठ ने उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास से पूछा, आप हमें पूरी प्रक्रिया बताएं कि उम्मीदवारों के प्रतिनिधि कैसे शामिल होते हैं।

दिल्ली में स्तन कैंसर की रोबोटिक सर्जरी कर डॉक्टरों ने दी महिला को नई जिंदगी

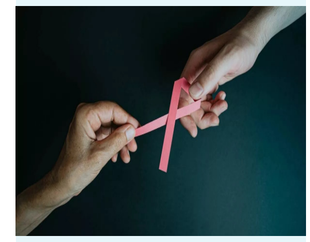

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नान करते हुए एक दिन अचानक ही स्तन में गांठ महसूस हुई। जांच कराने पर ट्यूमर कैंसर निकला। यह पता चलने पर पैरों तले जमीन खिसक गई। लेकिन पहले सास को भी स्तन कैंसर की बीमारी हो चुकी थी। वह इलाज के बाद ठीक भी हो गई थीं। इससे हिम्मत बढ़ी और इलाज शुरू कराया। कीमोथेरेपी में थोड़ा सुधार होने के बाद दिल्ली के एक निजी क्षेत्र के अस्पताल में डॉक्टरों ने एक माह पहले ही रोबोटिक सर्जरी की थी। सर्जरी के बाद दो दिन अस्पताल में भर्ती रही। अस्पताल से वापस घर जाने के तीसरे दिन ऑफिस जाना शुरू कर दिया। यह कहानी है कि स्तन कैंसर से पीड़ित दिल्ली की रहने वाली निहारिका की। दिल्ली के सीके बिड़ला अस्पताल के डॉक्टरों ने उत्तर भारत में पहली बार निहारिका सहित 15 मरीजों के स्तन कैंसर की रोबोटिक सर्जरी करने का दावा किया है।

अब तक 15 महिलाओं की सर्जरी- अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि पिछले नवंबर में पहली सर्जरी की गई थी। इसके बाद से अब तक स्तन कैंसर से पीड़त 15 महिला मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की गई है।

क्या है क्लाउड सीडिंग, जिसका दुबई की बाढ़ से जोड़ा जा रहा कनेक्शन, क्या भारत में भी कभी हुआ इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां दुनिया के कई देश तेज गर्मी से जूझ रहे हैं, तो वहीं संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) बाढ़ की स्थिति झेल रहा है। जहां दुबई के लोग बादल देखते तक के लिए तरसते थे, उसी देश में बारिश से लोग आज परेशान हैं। दुबई में एक दिन में एक साल जितनी बारिश दर्ज की गई है।

दुबई में बारिश से कोहराम- दुबई में एकाएक हुई इस बारिश से हाहाकार मच गया। इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि बड़ी-बड़ी बिल्डिंग पानी में डूबी है और कारें पानी में तैर रही हैं। मंगलवार को दुबई में 142 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि यहां सालभर में औसतन 95 मिलीमीटर बारिश ही हो पाती है। AFP के मुताबिक, यूएई में हुई भारी बारिश की एक वजह क्लाउड सीडिंग भी हो सकती है।

इतनी ज्यादा बारिश के पीछे का कारण क्लाउड सीडिंग को माना जा रहा है। आखिर ये क्लाउड सीडिंग क्या है, क्या भारत में भी कभी हुआ है, आइए जानते हैं...

क्या है क्लाउड सीडिंग- क्लाउड सीडिंग एक आर्टिफिशियल बारिश कराने का एक तरीका है। इसमें सिल्वर आयोडाइड या ड्राई आइस को हवाई जहाज की मदद से बादलों पर छोड़ा जाता है। इसमें छोटे कणों को बादलों के बहाव के साथ छिड़क दिया जाता है। ये कण हवा से नमी को सोखते हैं और इसके बाद वो कंडेंस होकर इसके द्रव्यमान को बढ़ा देते हैं।

अल्लाहु अकबर कहो, बेंगलुरु में जय श्री राम का नारा लगा रहे 3 लोगों की पिटाई; राम नवमी पर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कथित तौर पर जय श्री राम का नारा लगाने को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। जहां जय श्री राम का नारा लगाने को लेकर 3 युवकों की कथित तौर पर पिटाई कर दी गई। इस मारपीट में दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक नाबालिग बताया जा रहा है। उनको धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दंगा करने समेत अन्य आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया है।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 3 युवक कार में सवार होकर जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने जय श्री राम का नारा लगाया। कुछ बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोक लिया और नारे को लेकर उनके साथ बहस शुरू कर दी। बहस इतनी बढ़ गई कि मारपीट हो गई और 3 युवकों को चोटें आईं। इन लोगों की पहचान पवन कुमार, राहुल और बिनायक के रूप में हुई है।

अधिकारी ने कहा कि उनके पास भगवा झंडा था। बुधवार को यानी रामनवमी वाले दिन वे जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। स्नढ्ढक्र के अनुसार, दिन में लगभग 3.45 बजे, एक बाइक पर सवार दो लोगों ने उन्हें उत्तरी बेंगलुरु के चिकबेट्टाहल्ली में रोका और पूछा कि वे नारा क्यों लगा रहे हैं। बाइक सवारों ने कथित तौर पर कहा, तुम केवल अल्लाहु अकबर चिल्लाओ। इन आरोपियों की पहचान फरमान और समीर के रूप में हुई है।

अधिकारी ने आगे बताया, इसके बाद फरमान ने तीन लोगों से झंडा छीनने की कोशिश की। इसके बाद कार में सवार लोगों ने एक गली में उसका पीछा किया। हालांकि वे दोनों वहां से चले गए। तीनों लोग थोड़ी देर बाद अपनी कार में लौटे तो देखा कि समीर और फरमान एक छड़ी लिए हुए खड़े थे।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की 97 करोड़ की संपत्ति अटैच, ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने कारोबारी राज कुंद्रा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। खबर है को केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को कुंद्रा की 97 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है। कार्रवाई बिटकॉइन स्कैम से जुड़े एक मामले में की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी का कहना है कि कारोबारी के पास अब भी 285 बिटकॉइन है जिनकी कीमत अभी 150 करोड़ रुपये से अधिक है। कुंद्रा बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति हैं। साल 2021 में सामने आए पोर्नोग्राफी केस में भी कुंद्रा का नाम आया था। उस दौरान गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स की अनुसार, ईडी ने कुंद्रा की जिन प्रार्पर्टियों को अटैच किया है, उनमें शेट्टी का जुहू स्थित बंगला भी शामिल है। कारोबारी के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट यानी PMLA, 2002 के तहत यह कार्रवाई की गई है। खास बात है कि शेट्टी की पहले इंडियन प्रीमियर लीग यानी ढ्ढक्क्रुटीम राजस्थान रॉयल्स में हिस्सेदारी भी थी। ईडी ने बिटकॉइन पॉन्जी स्कैम में कुंद्रा के खिलाफ ऐक्शन लिया है। अटैच की गई संपत्तियों में पुणे स्थित बंगला और इक्विटी शेयर भी शामिल हैं। खबर है कि ईडी ने महाराष्ट्र पुलिस और दिल्ली पुलिस की तरफ से वन वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड और आरोपी दिवंगत अमित भारद्वाज, अजय भारद्वाज, विवेक भारद्वाज, सिम्पी भारद्वाज, महेंद्र भारद्वाज समेत अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज FIR के बाद जांच शुरू की थी।

आरोप हैं कि आरोपियों ने बिटकॉइन्स के रूप में लोगों से बड़ा फंड जुटा लिया था और बिटकॉइन के ही रूप में हर महीने 10 फीसदी वापस करने का वादा किया था।

आरोप हैं कि आरोपियों ने बिटकॉइन्स के रूप में लोगों से बड़ा फंड जुटा लिया था और बिटकॉइन के ही रूप में हर महीने 10 फीसदी वापस करने का वादा किया था।

EV रूमें गड़बड़ी की शिकायतों पर ध्यान दें; आरोपों पर चुनाव आयोग से बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी और दूसरों का वोट भी भाजपा को ट्रांसफर होने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस भेजा है। शीर्ष अदालत ने आयोग से कहा है कि वह इन शिकायतों पर संज्ञान लें। अर्जियों में आरोप लगाया गया था कि केरल के कासरगोड में मॉक पोलिंग के दौरान ऐसा हुआ था कि हर वोट भाजपा को ही जा रहा था। इस केस की सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना ने आयोग के वकील से कहा कि वह इस पर संज्ञान लें।

ङ्कङ्कक्क्ल्ल को लेकर दाखिल अर्जी पर बेंच ने कहा, %केरल के कासरगोड में मॉक पोलिंग हुई थी। 4 ईवीएम और वीवीपैट में भाजपा का एक अतिरिक्त वोट मिला था। मनोरमा में यह रिपोर्ट मिली थी। इस पर बेंच ने चुनाव आयोग के वकील महिंदर सिंह से कहा कि आप इसका संज्ञान लें और एक बार चेक कर लें। दरअसल अदालत में कई अर्जियां दाखिल की गई हैं, जिसमें मांग की गई है कि ईवीएम से पड़ने वाले सारे मतों का वीवीपैट स्लिप से वेरिफिकेशन किया जाए। इस मामले को लेकर मंगलवार को लंबी और दिलचस्प बहस भी हुई थी।

यही नहीं वकील प्रशांत भूषण ने वीवीपैट की सारी स्लिपों की गिनती कराने की मांग की थी। इस पर अदालत ने कहा था कि आखिर भारत जैसे देश में यह कैसे संभव है। इस पर प्रशांत भूषण ने जर्मनी जैसे देश का उदाहरण देते हुए कहा था कि वहां बैलट पेपर से ही चुनाव हो रहा है। इस पर जज ने कहा था कि वहां सिर्फ 6 करोड़ ही नागरिक हैं। इतनी आबादी तो मेरे गृह राज्य की ही है। यही नहीं ईवीएम की जगह बैलट पेपर को लेकर बेंच का यह भी कहना था कि हम उस दौर को भी देख चुके हैं, जब बैलेट से चुनाव होता था। उनका कहना था कि मशीन सही रिजल्ट देती हैं, बशर्ते उसमें कोई मानवीय दखल न दिया जाए।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण एकादशी

संपादकीय

भारतीय शिक्षा व्यवस्था दुनिया की वृहद व्यवस्थाओं में से एक है

भारतीय शिक्षा व्यवस्था दुनिया की वृहद व्यवस्थाओं में से एक है। लगभग साढ़े छब्बीस करोड़ विद्यार्थी, जो स्कूल योग्य उम्र के कुल बच्चों का चौहत्तर फीसद है, भारतीय स्कूलों में नामांकित हैं। इस व्यापक व्यवस्था के बनने में कई ऐतिहासिक पड़ाव रहे हैं, जो फिलहाल पौने तेरह करोड़ लड़कियों और पौने चौदह करोड़ लड़कों को शिक्षा प्रदान करती है। इसमें कुल स्कूलों की संख्या करीब चौदह लाख है, जिसमें साढ़े बाईस फीसद निजी स्कूल हैं। इसमें अगर प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के बीच के अंतर को नजरअंदाज भी कर दें, जो प्राइमरी स्कूलों की संख्या (लगभग बारह लाख) का मात्र साढ़े बारह फीसद (लगभग डेढ़ लाख) है, तो भी लगभग सात करोड़ विद्यार्थी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में अध्यनरत हैं। यह संख्या एक बड़े व्यापार को ग्राहक मुहैया कराती है, जो ट्यूशन और कोचिंग के नाम से एक नए तंत्र की संरचना करती है। साथ ही, उच्च शिक्षा के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाएं और नौकरी के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं भी इस व्यापार को उर्वर जमीन मुहैया कराती हैं।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में सत्ताईस फीसद और शहरी क्षेत्रों में अड़तीस फीसद विद्यार्थी माध्यमिक स्तर पर ट्यूशन या कोचिंग ले रहे हैं। पिछले केवल चार वर्षों (2018 से 2022) में निजी ट्यूशन केंद्रों की संख्या में बारह फीसद की बढ़ोतरी हुई है। मौजूदा आकलन के अनुसार कोचिंग का बाजार लगभग अट्ठावन हजार करोड़ रुपए का है, जिसके 2028 तक एक लाख चौतीस हजार करोड़ रुपए का हो जाने का अनुमान है। इन आंकड़ों के बीच कई प्रश्न उठते हैं।

मसलन, क्या इन कोचिंग केंद्रों की बढ़ती संख्या मौजूदा शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर आक्षेप है ? इन केंद्रों में ऐसा क्या पढ़ाया जाता है जो स्कूलों और महाविद्यालयों में नहीं पढ़ाया जा रहा है ? ज्ञान के ऐसे कौन-से सोपान और घटक हैं, जो स्कूली या इसके संस्थानीकरण में छिटक और इन ट्यूशन और कोचिंग केंद्रों द्वारा समेटे जाते हैं? इन केंद्रों में पढ़ाने वाले अध्यापक कौन-सी शिक्षण विधि अपना रहे हैं, जिससे सौ फीसद अधिगम होने की संभावना रहती है और यह शिक्षण विधि हमारे स्कूली और महाविद्यालयी अध्यापकों से क्यों अच्छूती रहती है ? क्या स्कूलों और महाविद्यालयों में संरचनागत ढांचों और संसाधनों का ऐसा अभाव है, जहां कारगर शिक्षण अधिगम नहीं हो पा रहा है ? अध्यापक-विद्यार्थी अनुपात भी 1:27 है, फिर किन वजहों से पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि और मूल्यांकन की संस्थागत प्रक्रियाएं वह ज्ञान और शिक्षा विद्यार्थियों को मुहैया नहीं करा पा रही हैं, जिनके लिए उन्हें ट्यूशन और कोचिंग की राह पकड़नी पड़ती है ?

क्या स्कूल और तमाम शिक्षा के केंद्र, ज्ञान के किसी ऐसे स्वरूप से अनभिज्ञ हैं, जो उसे अधिक वांछनीय और उपयोगी बनाता है? परीक्षाएं अगर ज्ञान के वस्तुनिष्ठ स्वरूप को वैध करार देती हैं, तो यह वस्तुनिष्ठता क्या स्कूल द्वारा पोसी नहीं जाती है? और अगर वस्तुनिष्ठता का पोषण इन वैध शिक्षण संस्थाओं में होता है, तो कोचिंग या ट्यूशन केंद्र जैसे राज्येतर कारक शिक्षा और ज्ञान को लेकर ऐसा व्यापक हस्तक्षेप कैसे कर पा रहे हैं?

क्या यह ज्ञान के उत्तर-आधुनिकीकरण का संकेत है, जहां ज्ञान का सूचना मात्र में तब्दील हो जाना है और यह कोचिंग संस्थान बखूबी कर पाते हैं और ज्ञान / सूचना के रटने के नवाचारी तरीके इजाद कर लेते हैं, जो स्कूल या महाविद्यालय में संभव या वांछनीय नहीं है। अभी तीन दशक पहले तक जो विद्यार्थी ट्यूशन पढ़ते थे उनकी अकादमिक क्षमता कमतर मानी जाती थी और ट्यूशन या कोचिंग को निदानात्मक ज्ञान केंद्र के रूप में ही मान्यता थी। बाजार के उदारीकरण के साथ ही ज्ञान और शिक्षा के उदार स्वरूप ज्ञान ने एक वस्तु का आकार ले लिया, जिसका विनिमय निश्चित शुल्क के साथ किया जा सके। वैसे तो ज्ञान कभी भी मुफ्त और निशुल्क नहीं रहा। सदा राज्य के संरक्षण पर आश्रित रहा है, पर इस नवउदारीकरण के दौर में ज्ञान और इसका वस्तुकरण एक सुनिश्चित गारंटी के साथ आने लगा, जिसकी बानगी उन लंबे-चौड़े होडिंगों पर देखी जा सकती है, जिनमें विद्यार्थियों के चित्र उनकी सफलता और उपलब्धि के साथ घोषित करते हुए यह आश्वासन देते हैं कि अगर आप हमारी संस्था में कोचिंग लेंगे, तो अगला चित्र आपका होगा।

महात्मा हंसराज

महात्मा हंसराज पंजाब के प्रसिद्ध आर्य समाजी नेता, समाज सुधारक और शिक्षाविद थे। उनके महत्त्वपूर्ण योगदान और प्रयासों के फलस्वरूप ही देशभर में डी.ए.वी. के नाम से 750 से भी अधिक विद्यालय व महाविद्यालय गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। हंसराज जी स्वामी दयानन्द सरस्वती के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित थे। वे जातिवाद के प्रबल विरोधकर्ता थे।

जन्म तथा शिक्षा

महात्मा हंसराज का जन्म 19 अप्रैल, 1864 ई. को होशियारपुर ज़िला, पंजाब के बजवारा नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता चुन्नीलाल जी साधारण परिवार से सम्बन्ध रखते थे। हंसराज जी का बचपन अभावों में व्यतीत हुआ था। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। केवल 12 वर्ष की उम्र में ही इनके पिता का देहांत हो गया। हंसराज जी की आंरभिक शिक्षा स्थानीय स्कूल से ही प्रारम्भ हुई थी। डिग्री की शिक्षा उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से पूरी की।

स्वामी दयानन्द का प्रभाव

सन 1885 में जब वे लाहौर में अपने बड़े भाई मुल्कराज के यहाँ रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे थे, उसी समय लाहौर में स्वामी दयानन्द सरस्वती के सत्संग में जाने का अवसर इन्हें मिला। स्वामी दयानन्द के प्रवचन का युवक हंसराज पर बहुत प्रभाव पड़ा। अब उन्होंने समाज सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। हंसराज जी आवश्यक कार्यों से बचा सारा समय मोहल्ले के ग़रीब तथा अनपढ़ लोगों की चिट्ठी-पत्री पढ़ने और लिखने में ही लगा देते थे।

विद्यालय की स्थापना

स्वामी दयानन्द की स्मृति मे एक शिक्षण संस्था की स्थापना का विचार बहुत समय से चल रहा था। पंरन्तु धन का अभाव इनके रास्ते में आ रहा था। उनके बड़े भाई लाला मुल्कराज स्वंय भी आर्य समाज के विचारों वाले व्यक्ति थे। उन्होंने हंसराज के सामने प्रस्ताव रखा कि वे इस शिक्षा संस्था का अवैतनिक प्रधानाध्यापक बनना स्वीकार कर लें। उनके भरण-पोषण के लिए वे हंसराज को अपना आधा वेतन अर्थात तीस रुपये प्रति मास देते रहेगें। व्यक्तिगत सुख के ऊपर समाज की सेवा को प्रधानता देने वाले हंसराज ने संहर्ष ही इसे स्वीकर कर लिया। इस प्रकार 1 जून, 1886 को महात्मा हंसराज दयानन्द एंग्लो-वैदिक हाई स्कूल लाहौर के अवैतनिक प्रधानाध्यापक बन गए। इस समय उनकी आयु 22 वर्ष थी।

समाज सेवा

सन 1889 में दयानन्द एंग्लो-वैदिक हाई स्कूल एक कॉलेज बन गया। इस पर भी हंसराज जी अवैतनिक रूप से कार्य करते रहे। उन्होंने सन 1911 तक इस पद पर कार्य किया। इसके बाद ही उन्हें दयानन्द कॉलेज प्रंबध समिति का अध्यक्ष चुन लिया गया। वर्ष 1918 में लोग उन्हें पुनः इस पद पर चुनना चाहते थे, पर महात्मा हंसराज इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा समय समाज सेवा को समर्पित कर दिया। 1919 में उन्होंने अमृतसर में इंडियन सोशल कांफ्रेंस की अध्यक्षता की। देश-विदेश के आर्य समाजियों की जो पहली कांफ्रेंस 1927 में भारत में हुई, वे उसके अध्यक्ष भी चुने गए।

महत्त्वपूर्ण कार्य

सन 1922 में हंसराज जी के कार्यकर्ता केरल के 2500 से भी अधिक लोगों को पुनः हिन्दू धर्म में वापस लाये। ये लोग मोपला विद्रोह में बलपूर्वक मुस्लिम बना दिये गये थे। विकट परिस्थितियों के बावजूद भी यह कार्य महात्मा हंसराज के नेतृत्व में एक शिविर लगाकर लाला कौशलचन्द और पंडित मस्तान चन्द ने किया था।

सन 1895 में बीकानेर में आये भीषण अकाल के दौरान दो वर्षों तक बचाव व सहायता का कार्य किया और ईसाई मिशनरियों को सेवा के छद्मवेश में पीड़ित जनता का धर्म-परिवर्तन करने से रोका। लाला लाजपतराय इस कार्य में अग्रणी रहे।

जोधपुर के अकाल में लोगों की सहायता हेतु 1400 अनाथ बच्चे आर्य अनाथालयों में पालन-पोषण के लिये लाये गये।

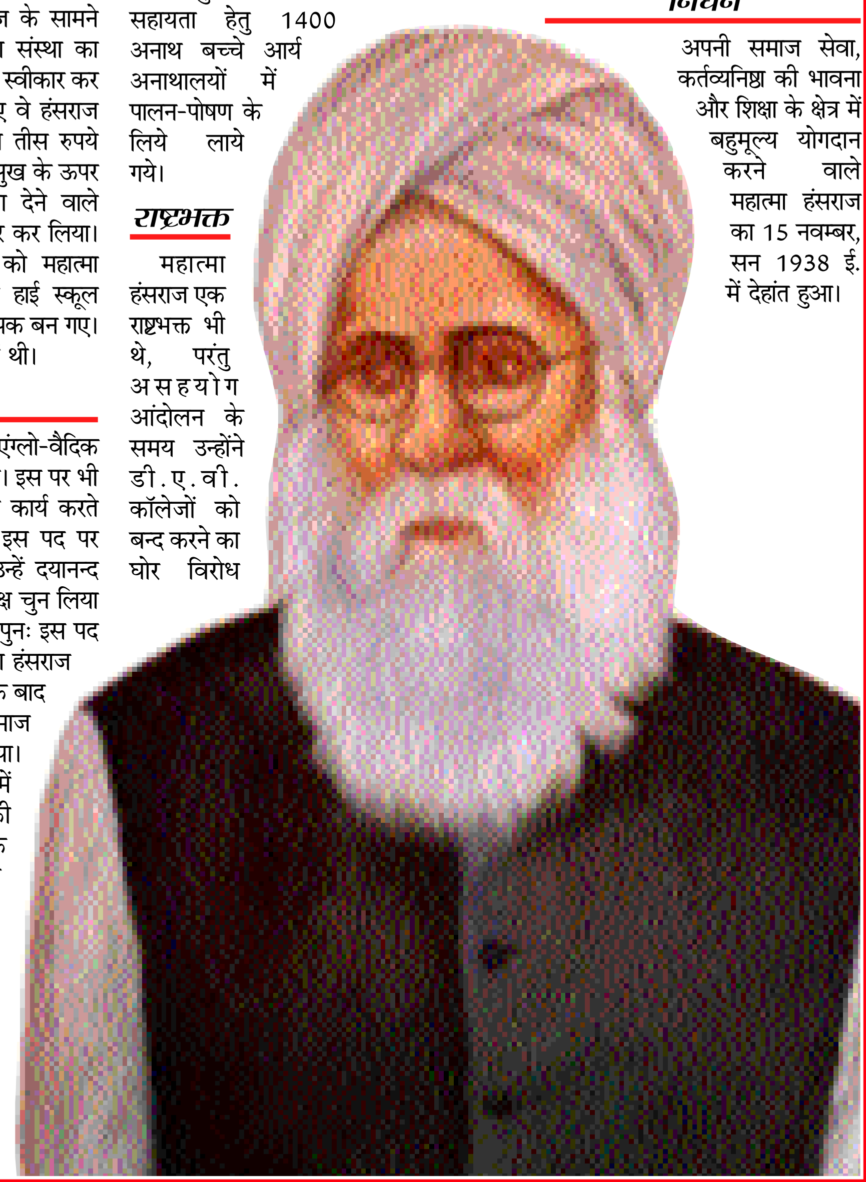

राष्ट्रभक्त

महात्मा हंसराज एक राष्ट्रभक्त भी थे, परंतु असहयोग आंदोलन के समय उन्होंने डी.ए.वी. कॉलेजों को बन्द करने का घोर विरोध किया था। उनका कहना था कि इन कॉलेजों पर न तो विदेशी सरकार का कोई नियंत्रण है और न ही ये सरकार से किसी प्रकार की सहायता लेते हैं।

जातिवाद के विरोधी

महात्मा हंसराज जातिवाद के प्रबल विरोधी थे और इसे हिन्दू धर्म की उन्नति के मार्ग की बहुत बड़ी बाधा मानते थे। उन्होंने शिक्षा प्रसार के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दिया था।

निधन

अपनी समाज सेवा, कर्तव्यनिष्ठा की भावना और शिक्षा के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान करने वाले महात्मा हंसराज का 15 नवम्बर, सन 1938 ई. में देहांत हुआ।

महिंद्रा की इस कंपनी पर दिग्गज निवेशक का दांव, खरीद डाले 20.25 लाख शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में कई ऐसे शेयर हैं जिन्होंने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। वहीं, कुछ नई कंपनियों के शेयर पर भी विजय केडिया ने दांव लगाया है। ऐसा ही एक शेयर- महिंद्रा हॉलिडेज एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड का है। इस कंपनी के शेयर गुरुवार को 397.95 रुपये पर बंद हुए। यह शेयर एक दिन पहले के मुकाबले 1.02त्न की बढ़त के साथ बंद हुआ।

दरअसल, दिग्गज निवेशक विजय केडिया का नाम जनवरी से मार्च 2024 के लिए महिंद्रा हॉलिडे एंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न में सामने आया है। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़ी इस कंपनी की शेयरहोल्डिंग के मुताबिक विजय केडिया के पास कंपनी में एक प्रतिशत हिस्सेदारी है। जानकारी के मुताबिक विजय केडिया के पास 20.25 लाख कंपनी के शेयर हैं। हालांकि, पिछली तिमाही यानी त्क्तस्नङ्घ24 के शेयरहोल्डिंग पैटर्न में विजय केडिया का नाम व्यक्तिगत शेयरधारकों की सूची में नहीं था। इसका मतलब है कि विजय केडिया ने हॉस्पिटैलिटी कंपनी में हिस्सेदारी ले ली है।

स्टॉक एक्सचेंज की फाइलिंग नियमों के मुताबिक एक लिस्टेड कंपनी प्रत्येक शेयरधारक के नाम साझा करने के लिए बाध्य है, जिसके पास कंपनी में 1 प्रतिशत अधिक हिस्सेदारी है। हालांकि, सूचीबद्ध कंपनी स्टॉक की खरीद और बिक्री का विवरण बताने के लिए बाध्य नहीं है। यह संभव हो सकता है कि 31 दिसंबर 2023 तक विजय केडिया के पास कंपनी के कुछ शेयर हों लेकिन कुल हिस्सेदारी एक प्रतिशत से कम थी, इसलिए पिछली तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न में उनका नाम नहीं बताया गया था। वहीं, यह भी संभव है कि 31 दिसंबर 2023 तक विजय केडिया के पास कोई कंपनी शेयर नहीं था और उन्होंने ये सभी 20.25 लाख कंपनी शेयर मार्च तिमाही में खरीदे गए।

9 दिन से बढ़ रहा बैटरी बनाने वाली कंपनी का शेयर, इस डील के बाद लगे पंख

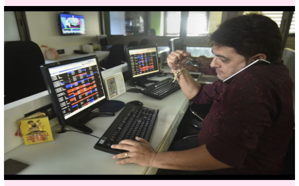

नई दिल्ली (एजेंसी)। सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को बैटरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी- एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत में 4.70% की तेजी आई और भाव 481.70 प्रति शेयर तक पहुंच गया। यह लगातार 9वां कारोबारी दिन है जब शेयर में तेजी आई है। केवल नौ कारोबारी दिन में निवेशकों को 54% का रिटर्न मिला है। आपको बता दें कि एक्साइड इंडस्ट्रीज ने एक साल में 148त्न तक रिटर्न दिया है। इस शेयर ने दो साल में लगभग 200% तक बढ़ा दिया है।

एक्साइड इंडस्ट्रीज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी- एक्साइड एनर्जी सॉल्यूशंस ने एक समझौता किया है। दरअसल, दक्षिण कोरियाई मोटर वाहन विनिर्माता हुंडई मोटर कंपनी और किआ कॉर्पोरेशन ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी के स्थानीयकरण के लिए साझेदारी की है। इस घोषणा के बाद कंपनी के शेयर की जबरदस्त डिमांड है। इस डील से अतिरिक्त राजस्व जनरेट होने और भारत के बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में एक्साइड की बाजार उपस्थिति बढ़ने की उम्मीद है।

ब्रोकरेज फर्मों ने एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमत बढ़ा दी है। इससे निवेशकों का सेंटिमेंट बढ़ गया। जापान के ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने स्टॉक पर अपने पहले के टारगेट प्राइस 233 को बढ़ाकर 485 प्रति शेयर कर दिया है।

सरकार से मिला ऑर्डर तो रॉकेट बन गया यह शेयर, 2 दिन से दे रहा मुनाफा, 39% चढ़ा भाव

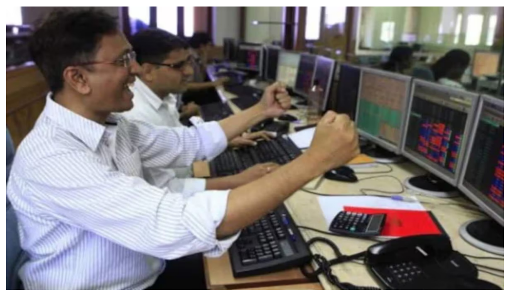

नई दिल्ली (एजेंसी)। डायनाकान्स सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस के शेयरों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर आज बुधवार को भी 16% तक चढ़ गए और 1311.95 रुपये पर पहुंच गए। यह इसका 52 वीक का हाई प्राइस भी है। पिछले दो कारोबारी दिनों में यह शेयर 39त्न तक चढ़ गया है। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी को नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) से 233 करोड़ रुपये ऑर्डर मिला हुआ है।

डायनाकॉन्स ने कहा कि इस महत्वपूर्ण ऑर्डर में एप्लिकेशन सर्विस प्रोवाइडर (एएसपी) मॉडल पर काम करते हुए फिनेकल 7.0 से फिनेकल 10.2.25 तक कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) का अपग्रेडेशन और माइग्रेशन शामिल है। ऑर्डर के दायरे में 8 राज्यों में 38 राज्य सहकारी बैंकों की 1391 शाखाओं की सेवा शामिल है। परियोजना के दायरे में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन अपग्रेड, माइग्रेशन और रखरखाव के साथ-साथ एचपीई, ओरेकल, फोर्टिनेट, ऐरे और वर्सा जैसे प्रमुख प्रौद्योगिकी विक्रेताओं से बुनियादी ढांचे और नेटवर्क संवर्द्धन शामिल है। कंपनी ने कहा कि ऑर्डर से डायनाकॉन्स को बीएफएसआई सेगमेंट में सिस्टम इंटीग्रेटर के रूप में प्रमुख प्लेयर में से एक बनने में मदद मिलेगी।

इस साल अब तक यह शेयर 112 प्रतिशत बढ़ गया है। इस बीच 26 मार्च को डायनाकान्स ने घोषणा की थी कि उसे डेटा सेंटर टेक रिफ्रेश पहल के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा 41.72 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया गया है। एनपीसीआई भारत में एक मजबूत भुगतान और निपटान अवसंरचना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीसीआई यूपीआई भुगतान, भारत बिल भुगतान, रुपे कार्ड, फास्ट टैग और अन्य सहित महत्वपूर्ण सेवाओं की सुविधा प्रदान करता है।

6 के शेयर ने दिया छप्परफाड़ रिटर्न, सालभर में 1900% चढ़ा भाव, लगातार कर रहा मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। झंडेवालास फूड्स के शेयरों ने सालभर में अपने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 1900त्न से अधिक चढ़ गए हैं। सालभर पहले इस शेयर की कीमत 6 रुपये थी। आज गुरवार 18 अप्रैल को यह शेयर 139.31 रुपये पर आ गया। यह इसका 52 वीक का हाई प्राइस भी है। आज इस शेयर में 5त्न का अपर सर्किट लगा है।

इस साल 2024 में स्टॉक में 310 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। इस साल अब तक इस शेयर ने 4 में से 3 महीनों में पॉजिटिव रिटर्न दिया है। मार्च में 20 फीसदी की गिरावट के बाद अप्रैल में अब तक स्टॉक 79 फीसदी उछल चुका है। हालांकि, फरवरी में यह 73 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 65 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया। जनवरी 2024 से पहले, स्टॉक ने लगातार 2 महीनों में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। दिसंबर 2023 में 151 प्रतिशत से अधिक और नवंबर 2023 में 106 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया।

झंडेवालास फूड्स लिमिटेड भारत में डेयरी और फूड प्रोडक्ट बनाती और बेचती है। यह भैंस और गाय का घी, केसर, पोहा, मंगोड़ी, पापड़, रिफाइंड मूंगफली तेल, पास्ता, चाय और पोहा मसाला, मसाला मिश्रण, रेडी-टू-ईट, चटनी, भारतीय मसाला, चिल्ला प्रीमिक्स, रवा इडली मिक्स और अन्य प्रोडक्ट्स भी बनाती है। कंपनी अपने उत्पादों को नमन, गोधेनु, न्यूट्री फ्लेक्स, स्वीट बाइट्स, यम यू और पोल्की ब्रांड के तहत बेचती है, साथ ही अपने उत्पादों को ऑनलाइन भी बेचती है।

राधाकिशन दमानी ने इस कंपनी पर बढ़ाया अपना दांव, 3900 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिगरेट बनाने वाली कंपनी वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयरों में गुरवार को अच्छी तेजी आई है। वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार को करीब 6 पर्सेंट की तेजी के साथ 3946.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिग्गज निवेशक और रिटेल चेन डीमार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी ने वीएसटी इंडस्ट्रीज पर अपना दांव बढ़ाया है। दमानी ने वीएसटी इंडस्ट्रीज के 233766 शेयर या कंपनी में और 1.5 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी है। दमानी ने वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर 86.26 करोड़ रुपये में खरीदे हैं।

राधाकिशन दमानी ने वीएसटी इंडस्ट्रीज के 233766 शेयर 3689.96 रुपये प्रति शेयर के औसत दाम पर खरीदे हैं। कंपनी में अब दमानी की 34.4 पर्सेंट हिस्सेदारी हो गई है। इससे पहले, कंपनी में दमानी की हिस्सेदारी 32.89 पर्सेंट थी। वीएसटी इंडस्ट्रीज में राधाकिशन दमानी, प्रमोटर्स के बाद दूसरे सबसे बड़े शेयरहोल्डर बन गए हैं। वीएसटी इंडस्ट्रीज में दमानी ने डेराइव ट्रेडिंग एंड रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए हिस्सेदारी खरीदी है।

वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले एक साल में बहुत हलचल देखने को नहीं मिली है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 19 पर्सेंट के करीब चढ़े हैं। वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर 18 अप्रैल 2023 को 3314.25 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 18 अप्रैल 2024 को 3946.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयरों में 17 पर्सेंट के करीब तेजी देखने को मिली है।

5 दिन से टूट रहा यह शेयर, हर दिन लग रहा लोअर सर्किट, जानिए क्या है वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च लिमिटेड शेयर लगातार टूट रहा है। कंपनी के शेयरों में पिछले पांच दिन से लगातार 5% का लोअर सर्किट लग रहा है। आज गुरुवार को भी इस शेयर में 5त्न का लोअर सर्किट लग गया और यह 351.20 रुपये के इंट्रा डे लो पर पहुंच कर बंद हुआ। पिछले पांच दिन में यह शेयर करीबन 20त्न तक लुढ़क गया है। बीते कुछ दिनों से शेयर में लगातार गिरावट आ रही है। दरअसल, पार्किंसंस रोग के रोगियों में वोडोबेटिनिब को लेकर PROSEEK स्टडी किया गया था। अब इस स्टडी के रिजल्ट का ऐलान कर दिया गया है। स्टडी के मुताबिक वोडोबेटिनिब लेने वाले रोगियों को ट्रीटमेंट में कोई फायदा नहीं हुआ है। इसके तहत 442 मरीजों ने PROSEEK स्टडी के पार्ट-1 को कंप्लीट किया था। इसी आधार पर नतीजे का ऐलान किया गया है। इस नतीजे के बाद कंपनी ने स्टडी को बंद करने का फैसला लिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

तेंदुआ से बचाव के लिए कैमरे और दो पिंजरे लगाए गए भोज विवि परिसर में

भोपाल। राजधानी में भोज मुक्त विश्वविद्यालय 50 एकड़ जंगल बना हुआ है। यहां अक्सर बाघ को भ्रमण करते देखा जाता है। वहीं आजकल तेंदुआ दिखने के कारण वन विभाग की टीम दो दिन से दिनभर ढूंढने में लगी रही, लेकिन वह जंगल में गायब हो गया है। उसके पगमार्क भी नहीं मिले हैं।विवि ने सुरक्षा की दृष्टि से वन विभाग को वहां पर ट्रैप कैमरे और पिंजरे लगाने के लिए कहा है। गुरुवार को चार ट्रैप कैमरे और दो पिंजरे लगाए गए, ताकि तेंदुआ के आने पर पता चल सके।

विवि के अधिकारियों का कहना है कि तेंदुआ को काफी खतरनाक और हिसंक माना जाता है, इसलिए वन विभाग को जरूरी एहतियात बरतने के लिए कहा गया है। गुरुवार को इसके लिए दो पिंजरे भी लगाए गए हैं। इससे बचने के लिए आसपास में रहने वाले लोगों को हिदायत दी है कि वे सतर्क रहें और अपने घर में ही रहें।बता दें, कि बीते सोमवार की रात में भोज विवि के परिसर और उसके गेट के पास तेंदुआ का वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में तेंदुआ कैंपस में हलचल करता दिखाई दे रहा था। फिर वह गेट के आस-आस चहल-कदमी करता दिखाई दे रहा था।विवि परिसर में पहले भी बाघ व तेंदुआ को देखा गया है।

विवि परिसर में पहले भी इन जगहों पर बाघ और तेंदुए की हलचल से दहशत का माहौल बन चुका है। 25 दिसंबर 2021 में भोज परिसर के पास स्वर्ण जयंती पार्क भी में तेंदुआ देखा गया था, लेकिन काफी ढूंढने के बाद वह नहीं मिला था। दहशत के चलते पार्क को बंद कर दिया गया था। इसके अलावा फरवरी 2022 में भी यहां बाघ के घूमने की सूचना मिली थी।इसके लिए यहां अलर्ट जारी कर दिया गया था ।

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी 33/11 केवी वितरण उपकेंद्रों में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग करने जा रही है

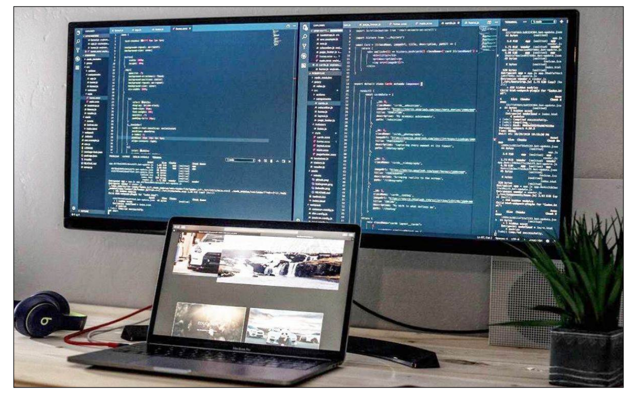

ग्वालियर। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ग्वालियर के 33/11 केवी वितरण उपकेंद्रों में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग करने जा रही है। इस तकनीक का पहला प्रयोग पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कर चुकी है। अब इस तकनीक का प्रयोग ग्वालियर के साथ भोपाल में 33/11 केवी सब स्टेशन के 11 केवी फीडर में किए जाने की तैयारी है।

सबसे पहले इस तकनीक का प्रयोग वीआइपी फीडर पर होगा। भोपाल में बीसीयू डिवाइस आ गई है। जिसे कनेक्ट नहीं किया गया है। बताया गया है कि लोकसभा चुनाव के बाद इसे कनेक्ट कर दिया जाएगा, लेकिन ग्वालियर में डिवाइस उपलब्ध नहीं होने के कारण अभी समय लगेगा। बीसीयू (बे कंट्रोल यूनिट) डिवाइस की मदद से कंप्यूटर सिस्टम में फीडर के ट्रिप होने की रीयल टाइम जानकारी मिलेगी। इसडिवाइस के लगने से कंट्रोल रूम में नियंत्रण पैनल की जरूरत खत्म हो जाएगी। इस डिवाइस से फाल्ट की तीव्रता, सब स्टेशन से फाल्ट की दूरी, फाल्ट करंट, फाल्ट होने से पहले फीडर पर लोड आदि महत्वपूर्ण जानकारी तत्काल मिल सकेगी। साथ ही फाल्ट ढूंढने और उसमें सुधार करने में बेहद कम समय लगेगा। 17 लाख रुपये कीमत से अत्याधुनिक तकनीकी से तैयार किए जाने वाला बे कंट्रोल यूनिट मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के स्काडा सेंटर और कंट्रोल रूम से जुड़ा होगा।

इसके इंस्टाल होने के बाद किसी भी फाल्ट की रीयल टाइम जानकारी कंट्रोल और अफसरों तक पहुंच जाएगी। जिससे फाल्ट को जहां आसानी से तलाशा जा सकेगा, वहीं फाल्ट वाली जगह पर जल्द सुधार कार्य कर आपूर्ति शुरू की जा सकेगी।

मोबाइल पर भी उपलब्ध होगी जानकारीमध्य क्षेत्र वितरण कंपनी की आइटी सेल से एक एप भी तैयार किया है। यह एप सभी अफसरों के मोबाइल पर इंस्टाल किया जाएगा। जिससे इस डिवाइस की कनेक्टिविटी सीधे अधिकारियों के साथ हो जाएगी। जैसे ही कहीं कोई फाल्ट आएगा, तो इसकी जानकारी उनको तत्काल मोबाइल पर मिलेगी। इसमें एनर्जी मीटर भी लगाया जाएगा।अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग फाल्ट सुधारने में मदद करेगा। डिवाइस मिलने के बाद इसे जल्द ही प्रयोग में लाने का प्रयास किया जाएगा।

- नितिन मांगलिक, महाप्रबंधक, शहर वृत्त, विद्युत वितरण कंपनी

गांजे के तस्कर पुलिस गिरफ्त में

जबलपुर। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने ओडिशा से गांजा लेकर आ रहे तस्करी के दो आरोपित को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 13 किलो 500 ग्राम गांजा जब्त किया है। थाना प्रभारी धीरज राज के अनुसार बुधवार को पुल नंबर एक के पास जांच के दौरान रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे आटो क्रमांक एमपी 20 आर 4544 को रोका गया। आटो में चालक के अतिरिक्त दो लोग सवार थे।आरोपित ओडिशा के बलांगिर से ट्रेन से गांजा लेकर आए थे

जांच करने पर आटो सवार दोनों यात्रियों ने चकमा देकर भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर दोनों को अभिरक्षा में लिया गया और पूछताछ की गई। उनके सूटकेस और थैले की तलाशी लेने पर उसमें कुल 13 किलो 500 ग्राम गांजा मिला है। आरोपित ओडिशा के बलांगिर से ट्रेन से गांजा लेकर आए थे।

करमेता बजरंग नगर और सतना निवासी हैं आरोपितआरोपितों करमेता बजरंग नगर निवासी मनीष उर्फ मनी उर्फ मनीभूषण चौबे- 49 वर्ष और सतना में पटैल हास्पिटल के सामने रहने वाला अशोक वर्मा- 65 को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के विरुद्ध धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई है। पुलिस इस बात का पता लगा रहा है कि आरोपित गांजा शहर में कहां आपूर्ति करने जा रहे थे।

जबलपुर आ रहे ट्रक में लगी आग,अफवाहों पर कलेक्टर बोले- ईवीएम नहीं पानी की बोतलें भरी थीं

जबलपुर। कृषि विश्वविद्यालय के पास जबलपुर आ रहे ट्रक में आग लग गई। हादसा गुरुवार की सुबह 9.30 बजे के आसपास का बताया जाता है। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर से लगे खेत पर पानी लाने वाले एक ट्रक के केबिन में आग लग गई। केबिन के पास रखे ट्रिपल ने भी आग पकड़ ली और खेतों तक पहुंच गई जिसे तत्काल रोक लिया गया। फायर ब्रिगेड टीम ने आग बुझा दी

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम लेकर जबलपुर आए ट्रक में घटना की अफवाह वायरल हो गई थी। समय रहते फायर ब्रिगेड टीम ने आग बुझा दी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। मध्यप्रदेश में पहले चरण में 6 सीट- छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, सीधी, जबलपुर और शहडोल में 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है। जबलपुर कलेक?टर दीपक सक?सेना ने ईवीएम में आग की खबर को अफवाह बताते हुए कहा कि ट्रक में ईवीएम नहीं पानी की बोतलें भरी थीं। उन?होंने बताया कि जबलपुर में मतदान दलों की रवानगी के दौरान ईवीएम के ट्रक में आग लगने का भ्रामक समाचार वायरल हुआ है।

कलेक्टर के अनुसार वस्तुस्थिति यह है कि ट्रक क्रमांक क्क65 ष्ठत्र3924 नगरनिगम जबलपुर द्वारा पानी की बोतल लाने के लिये अनुबंधित किया गया है। रात्रि में पानी की बोतल उतारने के बाद ट्रक को साइड वाली सड़क पर ड्राइवर नरेश ने पार्क किया था। सुबह लगभग 9.30 बजे किसी तकनीकी ख़ामी की वजह से ट्रक में आग लग गई। मौक़े पर मौजूद फायर फाइटर ने तत्काल आग को बुझा दिया है। ट्रक में ईवीएम का परिवहन नहीं किया गया है।

मृत रोजगार सहायक सचिव की फिर लगा दी चुनाव कार्य में ड्यूटी

जबलपुर। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में स्थानीय प्रशासन का अमला रातें-दिन जुटा हुआ है लेकिन इन सब के बीच हर दिन रोचक प्रसंग सामने आ रहे हैं। एक और मामला पनागर जनपद में सामने आया है। जहां 4 माह पहले मृत हो चुके रोजगार सहायक सचिव की ड्यूटी चुनाव बस सेवा में लगा दी गई। मामला यही शांत नहीं हुआ जिम्मेदार अधिकारियों ने बसों में रोजगार सहायक सचिव का नाम और नंबर भी चस्पा कर दिया है और मतदान में ड्यूटी करने वाले कर्मियों को बताया गया है बस से संबंधित से कोई भी काम हो तो रोजगार सहायक सचिव को फोन लगा लें। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर दीपक सक्सेना ने बताया कि गलत प्रिंट हो गया था, जिसे रूट प्रभारी ने पहले ही बदल दिया था।

वर्कआउट का ट्रेंड बदला, कार्डियो पर ज्यादा ध्यान

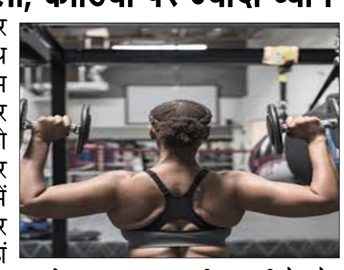

ग्वालियर । बदलते मौसम और लगातार बढ़ रही गर्मी में हैल्थ क्लब , फिटनेस सेंटर और जिम का भी ट्रेंड बदल रहा है। खासतौर पर उन लोगों के लिए जो वर्कआउट फैट लास के लिए कर रहे हैं। अधिकतर फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज का पैटर्न, समय और डाइट प्लान बदला जा रहा है। जहां हैवी वेट वर्कआउट के स्थान पर लाइट वेट एक्सरसाइज की जा रही हैं और शरीर से फैट कटिंग के लिए खासतौर पर कार्डियो करवाया जा रहा है। इतना ही नहीं वर्कआउट के बाद रिलेक्शेसन के लिए भी स्पेशल पैटर्न तैयार किया जा रहा है। आप भी जानिए वर्कआउट के लिए इन दिनों कौनसा तरीका बेहतर है।हैवी वेट की जगह लाइट वेट वर्कआउट फिटनेस एक्सपर्ट लोकेंद्र हाडा का कहना है कि गर्मियों में वातावरण व शरीर दोनों का तापमान बढ़ा हुआ रहता है।

चेतावनी के बाद भी अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं करने पर कार्यालय ,शोरूम एवं दुकानों वाली दो बिल्डिंग सील

निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के पश्चात जिला प्रशासन के अमले द्वारा किये गये निरीक्षण में दी गई चेतावनी के बाद भी अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं करने पर अनेक कार्यालय, शोरूम एवं दुकानों वाली दो बिल्डिंग को सील किया गया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में अग्नि सुरक्षा प्रबंध नहीं करने पर लगातार कार्रवाई जारी है।

आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जूनी इंदौर श्री घनश्याम धनगर के नेतृत्व में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं नगर निगम की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नवनीत प्लाजा बिल्डिंग एवं फॉर्चून ओरा बिल्डिंग सील की गई। इन दोनों में विभिन्न प्रकार के कार्यालय ,शोरूम एवं दुकानों का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा लोक स्वास्थ एवं सुरक्षा को लेकर हाइराइज बिल्डिंग , हॉस्पीटल, काम्प्लेक्स आदि का फायर सेफ्टी को लेकर निरीक्षण करने के निर्देश के पालन में विभिन्न हॉस्पिटल , बिल्डिंग , हाइराइज बिल्डिंग , अपार्टमेंट का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी उपकरण न होने से नोटिस जारी कर फायर सेफ्टी की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये थे , परंतु नोटिस देने के उपरांत भी फायर सेफ्टी की व्यवस्था न करने से लोक स्वास्थ्य व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूर्व में सूचना पत्र के माध्यम से फायर सेफ्टी उपकरण इंस्टॉल करने हेतु कहा गया था,आज पुनः टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया एवं पाया गया की सूचना पत्र जारी होने के बावजूद नियम अनुसार फायर सेफ्टी उपकरण नहीं लगाए गए। जारी किए गए नोटिस के संबंध में कोई भी जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके फलस्वरुप उक्त दोनों बिल्डिंगों को सील किया गया ।

भव्य रूप से श्रीराम शोभा यात्रा सिलावट पुरा से निकली

इंदौर। राष्ट्रीय युवा मंच के तत्वावधान में इंदौर की परंपरागत शोभा यात्रा रामनवमी के महापर्व पर निकाली ,शोभायात्रा महालक्ष्मी मंदिर सिलावटपुरा से होते हुए शहर भ्रमण पर निकली जिसमें सैकड़ों की संख्या में हिंदुवादी संगठन के सदस्यों सहित महिला, पुरुष बुजुर्ग व बच्चों ने भजनों के आनंद के साथ उत्सव में शामिल रहे जगह जगह प्रसादी वितरण चलता रहा, यात्रा संयोजक पुर्व भाजपा नगर अध्यक्ष श्री कैलाश शर्मा, पुर्व पार्षद देवेन्द्र सिंह रावत,विजय देवड़ा, महामंडलेश्वर दादु महाराज, बजरंग दल के रामेश्वर जिला अखाड़ा प्रमुख अरूण पोरवाल, अखिलेश शाह,शरद शर्मा, संजय जैन, हरीश वोरा, दीपक शर्मा, भवानी कुशवाहा,गगन पाराशर,गौसेवक दिनेश , ठाकुर प्रसाद, उमेश बागोरा आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

हाइराइज बिल्डिंगों में अग्नि सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराये जाने के लिये निरीक्षण की कार्रवाई जारी

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा दिये गये निर्देशानुसार हाइराइज बिल्डिंगों में अग्नि सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित कराये जाने के लिये जिला प्रशासन के अमले द्वारा निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी है। इस सिलसिले में अनुविभागीय अधिकारी कनाड़िया द्वारा गत 23 मार्च को किये गये निरीक्षण के दौरान दिये गये निर्देशों का 3 संस्थानों द्वारा पालन कर लिया गया है। कुछ सुधार के कार्य प्रगति पर है। यह कार्य शीघ्र पुरे करने के निर्देश दिये गये। बताया गया कि आज अनुविभागीय अधिकारी कनाड़िया द्वारा सेवाकुंज अस्पताल, करूणासागर मल्टी, जैन आर्गनिज्म इण्डस्ट्रीज का पुनः निरीक्षण किया गया। इनके द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन किया गया।

इंदौर जिले में खुले/अनुपयोगी बोरिंग का बंद कर पंचायतों को देना होगा प्रमाण पत्र प्राप्त

इन्दौर । इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुगम बनाये रखने के निर्देश दिये गये है। जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन ने पेयजल व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की बैठक ली और पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जिले की समस्त जनपद पंचायत सीईओ, सहायक यंत्री मनरेगा, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्योग विभाग के जनपद प्रभारी एवं जिला पंचायत के सभी परियोजना अधिकारी के कार्यो की समीक्षा की गई ।

महू जनपद के ग्राम सिलोटिया, जुलवानिया एवं जाकुखेडी में पेयजल स्त्रोत की समस्या ज्ञात होने पर पीएचई विभाग को इन ग्रामों में नवीन सोर्स के लिये कार्य करने के निर्देश दिये गये । देपालपुर के ग्राम ललेण्डीपुरा एवं महू के ग्राम जुलवानिया में पेयजल स्त्रोत के रूप मे मनरेगा अन्तर्गत सामुदायिक निर्मल नीर कूप निर्माण की आवश्यकता बताई गई ।

ग्राम कुशलपुरा, कदवाली, रामघाट पलाशघाट की मोटर चोरी होने पर सीईओ जिला पंचायत द्वारा पीएचई सहायक यंत्री महू को निर्देशित किया गया कि मोटर चोरी के संबंध में पुलिस प्रकरण दर्ज कराये। ग्राम में पेयजल व्यवस्था बनाने के लिये अन्य वैकल्पिक मोटर की कार्यवाही की जाये । उन्होंने क्षतिग्रस्त पाइल लाइन को दुरस्थ करने के निर्देश दिये। सांवेर के ग्राम पंचडेरिया में कालोनाईजर द्वारा पेयजल व्यवस्था नही करने पर उनके विरूद्ध कालोनी सेल को प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिये गये । जनपद देपालपुर अन्तर्गत ग्राम डासरी, पलासिया पार एवं जलोदियापंत मे नलजल योजना सुधार हेतु सीईओ जनपद को निर्देशित किया गया ।

समीक्षा बैठक में रीवा जिले मे ट्युबवेल में फसने से बच्चे की दुर्घटना मृत्यु के प्रकाश में श्री जैन द्वारा सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देशित किया गया कि सभी पंचायत सचिवो से उनके क्षेत्र में खुले पड़े अनुपयोगी बोर का बंद किये जाने का प्रमाण पत्र प्राप्त कर जिले को प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। सहायक यंत्री मनरेगा, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक अधिकारी अगले 10 दिवस में क्षेत्र भ्रमण कर 20-20 अनुपयोगी बोरवेल के सुरक्षित बंद करने का स्थल सत्यापन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करे ।

उम्मीदवारों को जमा करनी होगी निक्षेप राशि

इन्दौर। लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को नाम निर्देशन पत्र के साथ निक्षेप राशि जमा करना होंगी। सामान्य वर्ग के उम्मीदवार को 25 हजार रूपये की निक्षेप या जमानत राशि जमा करनी होगी। यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का है, भले ही वो अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहा है तो उसे इसका आधा यानि 12 हजार 500 रूपये की राशि जमानत के रूप में नाम-निर्देशन पत्र के साथ जमा करनी होगी।

भारत निवार्चन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को जमानत राशि रिटर्निगं अधिकारी के पास अथवा भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी खजाने में चालान भरकर जमा करना होगी। उसे चालान या रसीद की मूल प्रति नामांकन पत्र के साथ रिटर्निगं अधिकारी को रिटर्निंग अधिकारी को नाम-निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत करना होगी। उम्मीदवार द्वारा निक्षेप राशि ऑनलाईन भी जमा कराई जा सकेगी। आयोग के मुताबिक कोई भी उम्मीदवार एक निवार्चन क्षेत्र से नामांकन पत्र के चार सेट रिटर्निगं अधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन उसे जमानत या निक्षेप राशि जमा करने की मूल रसीद नामांकन पत्र के पहले सेट के साथ ही रिटर्निगं अधिकारी को प्रस्तुत करनी होगी। यदि कोई उम्मीदवार एक साथ दो निवार्चन क्षेत्रों से भी चुनाव लड़ता है तो ऐसी स्थिति में उसे दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग निक्षेप राशि रिटर्निगं अधिकारी को प्रस्तुत करना होगी।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

jagrayam.com
online news magazine

सर्वे भवन्तु सुखिनः भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी – संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास – संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य – कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा – उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय – विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव – विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे – ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर – संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर – संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी – विशेष प्रतिनिधि

जय श्री महाकाल ...

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

स्वच्छता सर्वेक्षण गाईड लाइन अनुसार कार्ययोजना बनाई जाकर समय सीमा निर्धारित करें - कलेक्टर

उज्जैन। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में एक आवश्यक बैठक कलेक्टर नीरज सिंह की अध्यक्षता में तथा आयुक्त आशीष पाठक की उपस्थिति में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुई।

बैठक में आयुक्त द्वारा पूर्व स्वच्छता सर्वेक्षण अंतर्गत की गई कार्यवाही संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। जिसके उपरांत स्वच्छता अभियान कंसल्टेंट गरिमा गोस्वामी द्वारा पूर्व सर्वेक्षण की गाईड लाईनवार निगम को प्राप्त अंकों की जानकारी प्रस्तुत की गई साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की गाईडलाईन से अवगत कराया गया।

कलेक्टर नीजर सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 की गाईड लाईन अनुसार विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए एवं प्रत्येक कार्य की समय सीमा का निर्धारण किया जाए तथा निर्धारित कार्यो हेतु किन शासकिय विभागों से समन्वय की आवश्यकता है उसका भी विशेष उल्लेख किया जाकर सात दिवस में कार्य योजना प्रस्तुत की जाए ताकि उस अनुसार कार्यवाही करते हुए अधिकारियों को दायित्व सौंपे जा सके।

आपने विजुअल क्लियरिंग अन्तर्गत शहर के नाले एवं नालियों की संख्या एवं उनकी सफाई व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की गई जिसके क्रम में आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा अवगत कराया गया कि शहर में लगभग 64 बड़े एवं छोटे नाले एवं नालियां है। वर्षा .ऋतु आरंभ होन से पूर्व 15 जुन तक समस्त नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

कलेक्टर नीरज सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि नाला सफाई का झोनवार शेड्यूल बनाया जाकर तीन दिवस में प्रस्तुत किया जाए।

बैठक में उपायुक्त श्रीमती आरती खेडेकर, संजेश गुप्ता, श्रीमती कृतिका भीमावत, पीके सुमन सहित सहायक आयुक्त, झोनल अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी इत्यादि उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण को निगम ने तोड़ा

नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा शहर में निरंतर अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देश अनुसार की जा रही है जिसके क्रम में गुरुवार को झोन क्रमांक 2 अंतर्गत सम्राट नगर एवं एकता नगर में नालियों के ऊपर किए गए अवैध निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गई।

संतश्री के 428वें जन्मोत्सव पर खण्डेलवाल समाज ने निकाली अब तक की सबसे भव्य शोभायात्रा

उज्जैन। संत शिरोमणि 1008 श्री सुंदरदासजी महाराज के 428वें जन्मोत्सव को खंडेलवाल समाज उज्जैन द्वारा भव्य रूप से आयोजित किया गया।

खंडेलवाल वैश्य पंचायत के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम समाज भवन पर महापौर मुकेश टटवाल द्वारा ध्वज एवं पालकी पूजन किया गया। तत्पश्चात भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई जिसमें ऊंट बैंड बाजे के साथ पालकी में बाल गोपाल जी एवं विंटेज कार में संत श्री की तस्वीर को विराजमान कर शोभायात्रा में सम्मिलित किया गया। शोभायात्रा भवन से प्रारंभ होकर निकास, कंठाल, तेलीवाड़ा, बड़ा सराफा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, गोंदा चौकी होते हुए पुनः भवन पर पहुंची। जहां मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष देवास राजीव खंडेलवाल ने समाजजनों को संबोधित किया। तत्पश्चात सभी समाजजनों ने भोजन प्रसादी के साथ आनंद प्राप्त किया। संचालन खंडेलवाल वैश्य पंचायत उपाध्यक्ष राजेंद्र झालानी के द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत खंडेलवाल वैश्य पंचायत अध्यक्ष गोविंद खंडेलवाल, सचिव अनिल सामरिया, सह सचिव गुलशन नाटाणी, अन्य उपसंस्था से अर्पित गुप्ता, राजेन्द्र सोखिया, दिलीप खण्डेलवाल, मनीष खण्डेलवाल, राजेश कुलवाल, प्रवीण खण्डेलवाल, भरत झालानी, कृष्णा दंगायच, ईशा बेवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा का संयोजक खंडेलवाल युवा परिवार को बनाया गया था जिसमे रतनदीप सोखिया, रितेश नाटानी, अधिश मेहरवाल, विवेक मेहरवाल, सुमित झालानी, शुभम सोखिया आदि की भुमिका रही।

प्रसिद्ध फिल्मकार एवं नृत्य निर्देशक गणेश आचार्य, अक्षत इंटरनेशनल स्कूल द्वारा सम्मानित

उज्जैन। अक्षत इंटरनेशनल स्कूल में प्रसिद्ध फिल्मकार एवं निर्देशक गणेश आचार्य अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग के लिए अपनी कलाकारो की टीम के साथ मौजूद रहे। गणेश आचार्य का स्कूल संस्थापक बालकृष्ण पंड्या एवं स्टाफ द्वारा बाबा महाकाल की तस्वीर, दुपट्टा एवं मोती माला पहना कर सम्मान किया गया। श्री आचार्य ने अपने अनुभव सभी से साझा किये एवं विद्यालय के वार्षिक समारोह मे शामिल होने की इच्छा जाहिर की।

शक्ति महोत्सव में दी पारंपरिक गणगौर लोक नृत्य की प्रस्तुति

उज्जैन। संगीत नाटक अकादमी; नई दिल्ली द्वारा मध्य प्रदेश संस्कृत विभाग, जिला प्रशासन उज्जैन, श्री हरसिद्धि भक्त मंडल एवं त्रिवेणी संग्रहालय के सहयोग से आयोजित प्रथम शक्ति महोत्सव में प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा पारंपरिक गणगौर लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

मंच पर कलाकार लकी राठौर, नैना सिंह सोलंकी, जयवी व्यास, अपूर्वा चौहान, खुशी पुरोहित, अनुष्का सोलंकी, साक्षी चांद्रायण, पलक सोनी, स्वधा चतुर्वेदी, रिद्धि सोनी, शांतनु भागचंदानी ने प्रस्तुति दी। मंच पार्श्व में गायन उज्ज्वला दुबे, डॉ. पल्लवी किशन, हारमोनियम पर अजय गांगुलिया, ढोलक परदृ विजय गांगुलिया, नगाड़ा पर नगाड़ा सम्राट नरेंद्र सिंह कुशवाह, मंच संयोजन कुमार किशन, परिकल्पना एवं नृत्य निर्देशन डॉ. पल्लवी किशन का रहा। यह अत्यंत महत्वपूर्ण महोत्सव देश में पहली बार देश के प्रमुख शक्तिपीठों में संगीत एवं नृत्य की अति प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से आरंभ किया गया है। जिसमें प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था को प्रस्तुति का गौरव प्राप्त हुआ।

सैनाचार्य स्वामी श्री अचलानंदाचार्य महाराज के संकल्प के साथ सेन समाज के युवक-युवति बंधे परिणय सूत्र में

उज्जैन। मध्यप्रदेश गुजराती सेन समाज ट्रस्ट द्वारा सेन समाज का 39वां सामूहिक विवाह सम्मेलन ट्रस्ट की गढ़कालिका स्थित साढ़े 8 बीघा जमीन पर हुआ। बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, सुरक्षा सर्वोपरी, आर्थिक बचत और फिजुल खर्चा को रोकने के मूल मंत्र पर आधारित इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में मध्यप्रदेश के अलावा देशभर से हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए।

प्रदेश संयोजक संतोष वर्मा, जिला अध्यक्ष जगदीश देवड़ा, नगर अध्यक्ष ओम वर्मा लाहोरी, नगर अध्यक्ष युवा अर्जुन वर्मा ताजपुर एवं सचिन वर्मा कोषाध्यक्ष ने बताया कि सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा सिलोदा रावल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सेनजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहेडा, निगम सभापति कलावती यादव, पार्षद गब्बर भाटी, भाजपा पिछडा मोर्चा नगर अध्यक्ष प्रकाश जायसवाल, पार्षद सुशील श्रीवास, महामंत्री पुष्कर यादव, नगर उपाध्यक्ष आनंद खिची, महेश पुरी गोस्वामी अध्यक्ष प्रतिनिधि, नगर पंचायत देपालपुर, जितेंद्र ताराचंद पटेल (करही पढ़लिया) इंदौर, विक्रम सेन राष्ट्रीय अध्यक्ष पत्रकार संघ अलीराजपुर, डॉ. धर्मपाल सेन खरककला हरियाणा राजस्थान, नवीन पहलवान लखनऊ दिल्ली केसरी नई दिल्ली, सचिन सेन पलसूद, गोरेलाल सेन प्रदेश अध्यक्ष सर्वसेन समाज मध्य प्रदेश धनराज सेन मेजर अहमदाबाद, जास्मीन प्रेम (महिला उद्योगपति) पीथमपुर धार, तेजपाल सेन हरियाणा, लक्ष्मीनारायण मारू अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री दर्जा, लोकेश विजयवर्गीय महामंत्री भारतीय मजदूर संघ (औद्योगिक इकाई) मध्यप्रदेश, राजा चौहान उद्योगपति सागोर धार, पूर्व सभापति सोनू गहलोत आदि मौजूद रहे। सैनाचार्य स्वामी श्री अचलानंदाचार्य जी महाराज का संकल्प बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को समर्पित सम्मेलन में सुरक्षा आदि का ध्यान रखकर स्व. मोहनलाल भाटी की स्मृति मे संजय भाटी द्वारा दुल्हे को हेलमेट कन्यादान स्वरूप भेंट किए गए।

इनफ्लुएंसर समिट सृजन में शिवम भार्गव सम्मानित

उज्जैन। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर 24 घंटे एक्टिव रहने वाले उज्जैन जिले के युवा इनफ्लुएंसर शिवम भार्गव को सांसद अनिल फिरोजिया द्वारा आयोजित सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर समिट सृजन में सम्मानित किया। उक्त जानकारी देते हुए प्रीति भार्गव ने बताया कि शिवम भार्गव के इंस्टाग्राम पेज फूड खाना उज्जैन पर 152640 फॉलोअर है और उनकी रील देश-विदेश के करोड़ों लोगों द्वारा पसंद की गई है, यह विगत 4 वर्षों से सक्रिय हैं। उनके द्वारा महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग से लेकर उज्जैन के सभी मंदिरों एवं उज्जैन के खानपान को लेकर रील बनाई जाती है, जिससे धार्मिक यात्रा पर उज्जैन आए दर्शनार्थियों को मंदिरों की एवं खानपान की उचित जानकारी प्राप्त हो जाती है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com